हरिभूमि

# झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार, 14 दिसंबर 2025

9 शहर की सड़कों पर अतिक्रमण न करें व्यापारी

10 दौड़ में आरती, आर्यन और खुशी ने जीते गोल्ड मेडल

### 6 हजार से अधिक नोटिस बांटे, 150 पर सीलिंग की तलवार

# प्रॉपर्टी टैक्स बकायेदारों के भवन सील करेगी नप

■ 100 करोड़ से ज्यादा का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

झज्जर के बाद अब बहादुरगढ़ नगर परिषद भी बड़े पैमाने पर भवनों की सीलिंग का अभियान शुरू करने वाली है। नप द्वारा करीब 6 हजार से अधिक रिकवरी नोटिस वितरित किए गए थे। दो बार नोटिस थमाने के बाद अब 150 से अधिक बड़े बकायेदारों के भवनों को सील करने की तैयारी है। इसके लिए नप अधिकारियों ने कमर कस ली है। इसे लेकर एक विशेष टीम का गठन भी किया जा चुका है।

दरअसल, बहादुरगढ़ नगर परिषद क्षेत्र में लोगों पर 100 करोड़ से ज्यादा का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है।

बहादुरगढ़। प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली के लिए सीलिंग की तैयारी को लेकर बैठक करते नगर परिषद अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

टैक्स रिकवरी के लिए इस बार 6 हजार नोटिसों का वितरण किया गया है। नगर परिषद ने साल 2025-26 के लिए 11 करोड़ के प्रॉपर्टी टैक्स की रिकवरी का लक्ष्य रखा था। जिसमें से 4 करोड़ रुपये की रिकवरी हो चुकी है और अब 7 करोड़ की रिकवरी के लिए सीलिंग अभियान का सहारा लिया जाएगा।

नगर परिषद बहादुरगढ़ हर साल प्रॉपर्टी टैक्स की रिकवरी के लिए नोटिस देती है। लेकिन बड़े पैमाने पर सीलिंग की कार्रवाई पहली बार होने वाली है। ऐसे में ये तय माना जा रहा है कि सीलिंग की तलवार से बचने के लिए नगर परिषद के खजाने में प्रॉपटी टैक्स से काफी पैसा आ सकता है। हालांकि बड़े बकायेदारों में शामिल सरकारी महकमों से वसूली करना परिषद के लिए भी काफी मुश्किल काम नजर आ रहा है।

### एक लाख रुपये से ज्यादा बकाया वालों पर होगी सीलिंग कार्रवाई

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी अरूण नांदल ने बताया कि एक लाख रुपए से ऊपर के बकायेदारों पर सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। एक लाख रुपये से ऊपर के करीब 700 से 800 बकायेदार हैं। सीलिंग की पहली कार्रवाई बड़े बकायेदारों पर होनी है और उनकी सूची भी तैयार हो चुकी है। पहली सूची में करीब डेढ़ सौ नाम शामिल किए गए हैं। जिनमें बड़े व्यवसायिक संस्थान और औद्योगिक संस्थानों के नाम शामिल हैं। कई सरकारी दफ्तर भी बड़े बकाएदारों में शामिल हैं।

## खबर संक्षेप

### 152 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी काबू

**बहादुरगढ़।** ऑपरेशन हॉट स्पॉट डोमिनेशन के तहत पुलिस ने एक व्यक्ति को मादक पदार्थ गांजे के साथ काबू किया गया। एएनसी प्रभारी जमील अहमद ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छोटूराम नगर में सतेंद्र निवासी दिल्ली को शक की बिनाह पर काबू किया। नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी के समक्ष तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 152 ग्राम नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ। उसके खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत थाना लाइनपार में मामला दर्ज किया गया है।

### स्कूटी की टक्कर से बाइक सवार घायल

**बहादुरगढ़।** लाइनपार में बाइक और स्कूटी की टक्कर हो गई। दुर्घटना में बाइक सवार युवक के पांव की हड्डी टूट गई। पीड़ित ने हादसे के लिए स्कूटी सवार तीन युवकों को जिम्मेदार ठहराया है। शंकर गार्डन के निवासी दीपक का कहना है कि वह राशन लेकर अपने घर जा रहा था। तभी रास्ते में एक स्कूटी तेज गति में आई और सीधी टक्कर मार दी। स्कूटी पर तीन युवक सवार थे। वे मौके से फरार हो गए।

### भगवान पार्श्वनाथ जयंती आज मनाई जाएगी

**बहादुरगढ़।** जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की जयंती रविवार को अनाजमंडी स्थित पांडुशिला पक्षीदाना स्थल पर मनाई जाएगी। पांडुशिला समिति के प्रधान सुनील जैन ने बताया कि सुबह 7 बजे जहां शांतिधारा होगी, वहीं साढ़े 7 बजे अभिषेक होगा। सुबह 9 से 10 बजे तक नवकार मंत्र का जाप होगा और शाम 7 बजे आरती होगी।

# केएमपी पर 25 फीट नीचे ट्राला गिरने से चालक की मौत

■ टायर फटने की वजह से हुआ हादसा, 3 घंटे बाद निकाला शव

### ट्रक की चपेट में आने से एक की मौत, दो घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

कुंडली मानेसर पलवल एक्सप्रेस वे पर डाबौदा के पास टायर फटने के बाद सीमेंट से भरा ट्राला करीब 25 फीट नीचे गिर गया। इसमें चालक की मौत हो गई। मृतक कैबिन में बुरी तरह फंस गया। दो क्रेनों की मदद से शव को तीन घंटे में निकाला जा सका। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंपा गया।

मृतक की पहचान राजस्थान के अजमेर के अजमलगढ़ खेड़ा के लक्ष्मण रावत (25) के तौर पर हुई। वह मानेसर से कुंडली की तरफ जा रहा था। रात में ढाई बजे टायर फटा तो ट्राला अनियंत्रित हो गया और केएमपी से नीचे जा गिरा। ट्राले का आगे और पीछे का हिस्सा अलग हो गया। कैबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ तो चालक अंदर ही फंस गया और दम तोड़ दिया। ट्राले में वह अकेला ही था।

**बहादुरगढ़।** बादली के निकट केएमपी एक्सप्रेस-वे पर रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने कैंपर और सड़क किनारे खड़े खराब ट्रक को टक्कर मार दी। खराब ट्रक की मरम्मत कर रहे व्यक्ति को भी कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। दो अन्य युवक हादसे में घायल हुए। बादली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान करीब 36 वर्षीय मंगल सिंह के रूप में हुई है। वह पंजाब के गुरदासपुर जिले का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, महम की एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के कुछ लोग अलीगढ में काम निपटाने के बाद वापस लौट रहे थे। इनमें मंगल सिंह भी शामिल था। वह जिस ट्रक में सवार था, उसे ईश्वर चला रहा था। वीरवार की देर रात बादली के नजदीक केएमपी पर पहुंचे तो ट्रक में खराबी आ गई। इसलिए मंगल व कुछ अन्य साथी ट्रक की मरम्मत का प्रयास करने लगे। इसी दौरान तेज रफ्तारी ट्रक आया। पहले उसने कैंपर गाड़ी को टक्कर मारी और फिर खराब ट्रक से जा भिड़ा। इसी दौरान खराब ट्रक के नीचे मौजूद मंगल को कुचल दिया तथा मनीष व प्रदीप भी चपेट में आए। आरोपी अपने ट्रक को छोड़कर फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

# सेना में अफसर बनकर अक्षय ने पूरा किया पिता का सपना

■ पांच वर्ष की उम्र में ही सिर से उठ गया था पिता का साया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव जटवाड़ा निवासी अक्षय कुमार ने भारतीय सेना में ऑफिसर बनकर अपने स्वर्गीय पिता सीताराम सिंह का सपना पूरा किया है। अक्षय कुमार ने बताया कि जब वह पांच वर्ष के थे तब उनके पिता का देहांत हो गया था। इसके बाद उनके चाचा ने उनके पालन पोषण की जिम्मेदारी उठाई। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा गांव के स्कूल से ग्रहण की।

उनके चाचा भारतीय सेना की जाट रेजीमेंट में प्रतिष्ठित पद पर थे। इस कारण सेना में शामिल होने के उनके पिता के सपने को और मजबूती मिली। उन्होंने जहां पहले ही प्रयास में एसएसबी का इंटरव्यू पास किया वहीं 18 से कम वर्ष की आयु में ही नेशनल डिफेंस एकेडमी में ऑफिसर ट्रेनी के तौर पर दाखिला लिया। अब भारतीय सेना में ऑफिसर के तौर पर कमीशन मिलने पर उन्होंने न केवल अपने परिवार की उम्मीदों को बल्कि अपने पिता के सपने को भी पूरा किया है। उन्होंने युवाओं को किसी भी परिस्थिति में हिम्मत न हारने का संदेश देते हुए कहा कि जब हिम्मत रास्ता दिखाती है तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं होता।

### दीवार में सेंध लगाकर नकदी व सामान चोरी

**बहादुरगढ़।** बादली थाना क्षेत्र के गांव पेलपा में एक रोड़ी क्रशर स्टॉक पर चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर दीवार में सेंध लगाकर ऑफिस में घुसे और नकदी सहित अन्य सामान पर हाथ साफ कर गए।

स्टॉक संचालक की शिकायत पर बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पेलपा के निवासी मोनू का कहना है कि अपने प्लॉट में उसने रोड़ी, रेती का स्टॉक कर रखा है। स्टॉक में आफिस भी बना रखा है। गत 11 दिसंबर को उसने अपने आफिस में 24 हजार 600 रुपये रखे थे। फिर ताला बंद कर घर चला गया। शुक्रवार की सुबह आया तो आफिस में सामान अस्त व्यस्त था। जांच करने पर अलमारी में रखे 24 हजार 600 रुपये, हुक्का, दो कस्सी व चार कुर्सी नहीं मिली। देखा तो साइड वाली खिड़की की ईंट हटी हुई थी। दीवार में सेंध लगाकर चोर अंदर घुसे और वारदात कर गए।

**सफलता** साइबर पुलिस ने गुम हुए मोबाइल तलाशने में पाई कामयाबी

# 13 लाख के 52 गुमशुदा मोबाइल ढूंढे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

साइबर सेल की टीम द्वारा बीते एक माह में गुम हुए करीब 13 लाख रुपये की कीमत के 52 गुमशुदा मोबाइल बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। शनिवार को लघुसचिवालय परिसर स्थित साइबर क्राइम सेल में करीब 30 गुमशुदा मोबाइल को उनके मालिकों को सौंप दिया गया।

साइबर इंचार्ज उप निरीक्षक अभिषेक ने बताया कि साइबर सेल जहां अपराध व अपराधियों पर शिकंजा कसने में अहम भूमिका निभा रही है। वहीं साइबर सेल की टीम ने बीते एक माह में आमजन के गुम हुए करीब 13 लाख रुपये कीमत के सीईआईआर पोर्टल से ट्रेस किए गए 52 मोबाइल को ढूंढने का कार्य किया है। उन्होंने सीईआईआर पोर्टल के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा चलाए गए इस पोर्टल की खासियत यह है कि इस पर शिकायत रजिस्टर्ड करने उपरांत मोबाइल का आईएमईआई ब्लॉक हो जाता है और मोबाइल ट्रेस होने उपरांत शिकायतकर्ता को सूचना दे दी जाती है। उन्होंने कहा कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत उसकी सूचना ई दिशा केंद्र या अटल सेवा केंद्र के माध्यम से सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज कराएं।

### 30 गुमशुदा मोबाइल मालिकों को सौंपे

झज्जर। गुम हुए मोबाइल मिलने पर खुशी जताते हुए लोग।

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS

THE TIMES OF INDIA Awarded with Times School Survey award 2025-26

Presents

10th ALL INDIA OLYMPIAD




SCAN FOR REGISTRATION

EXAM DATE 28th DECEMBER 2025

FREE TRANSPORT

| Class | Subject (Equal Weightage to All subjects) | Marks | Duration |
|---|---|---|---|
| 3rd to 5th Class | English\Maths\GK\EVS | 60 | 60 Min. |
| 6th & 8th Class | English\Maths\Science\ Aptitude Test | 60 | 60 Min. |
| 9th & 10th Class | Science ( Physics,Chemistry, Bio)\Math | 80 | 60 Min. |

| Class | 1st Prize | 2nd Prize | 3rd Prize | 4th to 30th Prize | 30th to 40th Prize |
|---|---|---|---|---|---|
| 10th Class | Scooty | Laptop | Kindle | Sports Kit | Edu. Kits/ Gifts |
| 9th Class | Laptop | Kindle | Kindle | Sports Kit | Edu. Kits/ Gifts |
| 8th Class | Laptop | Kindle | Cycle | Sports Kit | Edu. Kits/ Gifts |
| 7th Class | Laptop | Kindle | Cycle | Sports Kit | Edu. Kits/ Gifts |
| 6th Class | Laptop | Kindle | Cycle | Sports Kit | Edu. Kits/ Gifts |
| 5th Class | Kindle | Cycle | Cycle | Sports Kit | Edu. Kits/ Gifts |
| 4th Class | Kindle | Cycle | Cycle | Sports Kit | Edu. Kits/ Gifts |
| 3rd Class | Kindle | Cycle | Cycle | Sports Kit | Edu. Kits/ Gifts |

Visionary Vertex

Whirling With Young Talent And Creativity

DATE : 28th DECEMBER 2025

COMPETITION DETAILS

| | |
|---|---|
| NURSERY | Poem Recitation (in Hindi or Eng.) with proper gestures. |
| L.K.G | Story Telling (in Hindi or Eng.) with proper gestures. |
| U.K.G | Art & Craft Test and Hindi English Word Making |
| 1st & 2nd | Written Test in English, E.V.S., Maths, G.K., and Reasoning. |

Sanskaram Olympiad Applicable for 3rd to 10th

Visionary Vertex Applicable for Nur. to 2nd

FEE 100/-

TIMING 10 AM to 12 PM

VENUE Sanskaram Public School, Khatiwas; Sanskaram International School, Patauda

For Online Registration Visit

www.sanskarampublicschool.com | www.sanskaraminternational.com

JHAJJAR CAMPUS : 8222889860,62 | PATAUDA CAMPUS : 9053007801,02

NH.334B, Main Dadri Road, Khatiwas, Jhajjar ( Haryana) | NH.352, Patauda, Near Kulana, Jhajjar ( Haryana)

# एक जनवरी से पहले निपटा लें ये चार जरूरी काम

- टैक्स और कानूनी झंझट से बचने के लिए भर दे आईटीआर
- करदाताओं के लिए अपने पैन को आधार से लिंक करना जरूरी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी कानूनी झंझटों से मुक्ति चाहते हैं तो एक जनवरी से पहले कुछ जरूरी काम निपटा लें, वरना बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे हैं वे जरूरी काम जिन्हें इसी महीने में निपटाना बेहद जरूरी है। दिसंबर 2025 में करदाताओं के लिए चार जरूरी वित्तीय डेडलाइन, जिन्हें समय पर पूरा करना बचाएगा जुर्माने और कानूनी परेशानियों से। वित्त वर्ष 2025 अपने आखिरी चरण में है और करदाताओं के लिए दिसंबर कई अहम डेडलाइन लेकर आया है। अगर ये काम समय पर पूरे नहीं किए गए, तो आपको आर्थिक नुकसान और दस्तावेजों की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

### बिलेटेड आईटीआर फाइलिंग का अंतिम मौका

अगर आप वित्त वर्ष 2024-25 का आईटीआर समय पर नहीं जमा कर पाए हैं, तो 31 दिसंबर 2025 तक विलंब शुल्क के साथ इसे फाइल किया जा सकता है। 5 लाख रुपये तक की आय पर 1,000 रुपये और 5 लाख रुपये या उससे अधिक आय पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। 31 दिसंबर के बाद यह अवसर खत्म हो जाएगा। इसलिए इस पर ध्यान दें और अपनी आईटीआर जमा करवा दें।

### पैन -आधार लिंकिंग

सभी करदाताओं के लिए अपने पैन को भी आधार से लिंक करना बेहद अनिवार्य है। इसके लिए अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2025 ही है। अगर इस दौरान आप लिंकिंग नहीं करवा पाए तो आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। इससे आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा और बैंक खाता या निवेश से जुड़े सभी काम प्रभावित हो सकते हैं। इसे इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जल्द पूरा करें। वरना आपको पछतान पड़ेगा और काम प्रभावित होंगे। इसलिए समय रहते अपने पैन को आधार के लिंक जरूर करवा लें।

### एडवांस टैक्स की अंतिम किस्त

जिन करदाताओं की अनुमानित कर देनदारी 10,000 रुपये से अधिक है, उन्हें 15 दिसंबर 2025 तक चौथी और अंतिम एडवांस टैक्स किस्त जमा करनी होगी। समय पर भुगतान न करने पर ब्याज और जुर्माना लग सकता है। अगर आप भी इस श्रेणी में आते हैं तो आपको भी यह काम समय रहते पूरा कर लेना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी से बचा जा सके। इसलिए अपनी किस्त समय से जमा करवा दें और परेशानी से मुक्ति पा लें।

### ऑडिटेड आईटीआर की फाइलिंग

टैक्स ऑडिट के दायरे में आने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 10 दिसंबर 2025 है। इसे समय पर जमा करना जरूरी है, ताकि रिटर्न लेट न माना जाए और कानूनी परेशानियों से बचा जा सके। इसलिए 31 दिसंबर की तारिख आप सभी के लिए काफी है। इससे पहले की अपने जरूरी काम पूरे कर लें और परिशानियों का बाय बाय कर दे। अगर समय रहते ये काम पूरे नहीं कर पाएंगे तो आपको कानूनी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है और आर्थिक रूप से जो नुकसान होगा वह अलग। समय रहते ये चार काम निपटा लेंगे तो जुर्माने से भी बच जाएंगे और आप खुद को तनाव मुक्त भी महसूस करेंगे।

# अगले साल भी बरकरार रह सकती है गोल्ड की चमक

**इस साल 67% से अधिक रिटर्न दे निवेशकों को किया मालामाल**

**निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प लेकिन रणनीति बनाना जरूरी**

**सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर करें निवेश**

**चालू वर्ष में असाधारण रूप से रिटर्न दिया**

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67% का रिटर्न दिया है। जानाकारों का मानना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत प्रति दस ग्राम 5 से 16% 0 और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर निवेश करना जरूरी है। दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 'चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है।

### काफी बेहतर प्रदर्शन

भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है।' 'कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉन्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

*10 साल के सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 प्रतिशत रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण 'वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है।*

**ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया**

### यह भी कारक

वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का एक महत्वपूर्ण कारक रही हैं। इसके साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति की लगातार चिंताएं और ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने जैसी सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की ओर आकर्षित किया है। इसके अलावा, दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी और त्योहारों की मांग ने सोने की कीमतों में तेजी को और बढ़ावा दिया है।' अगले साल के परिदृश्य के बारे में कहा जा रहा है कि 'यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती हैं।

### क्या कहते हैं जानकार

जानकारों का कहना है कि 'हमारा अनुमान है कि आने वाले वर्ष में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, क्योंकि जिन कारणों ने इस साल कीमतों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, उनके अगले वर्ष भी जारी रहने की संभावना है।' मौजूदा हालात सोने में निवेश के लिए अनुकूल हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो अपने निवेश में विविधता और मुद्रास्फीति तथा वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हालांकि, सोने में निवेश को जोखिम के बचाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एकमात्र निवेश विकल्प के रूप में। निवेश का लगभग पांच प्रतिशत से 10 प्रतिशत कीमती धातुओं (सोना और चांदी) में निवेश होना चाहिए। सोने और चांदी में निवेश जोखिम के आधार पर होना चाहिए। 'चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं (वर्तमान में लगभग 4,200 डॉलर प्रति औंस), इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश महत्वपूर्ण है। आगे की वृद्धि भू-राजनीतिक जोखिमों और मुद्रास्फीति की चिंताओं पर निर्भर है। सुरक्षित निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो में आठ से 12 प्रतिशत का हिस्सा सोने में होना उपयुक्त है।

### ऐसे कर सकते हैं निवेश

वर्तमान समय में सबसे अच्छा तरीका यह है कि गोल्ड ईटीएफ में एसआईपी के माध्यम से निवेश करें या कीमतों में चार से पांच प्रतिशत की गिरावट पर अतिरिक्त हिस्सेदारी जोड़ें। अब तक हुई तेज बढ़ोतरी को देखते हुए एकमुश्त निवेश के बजाय एसआईपी (व्यवस्थित निवेश योजना)/ एसटीपी (व्यवस्थित हस्तांतरण योजना) के जरिए निवेश करना बेहतर होगा। 'वर्तमान परिवेश में, गोल्ड ईटीएफ निवेश का पसंदीदा तरीका है, क्योंकि ये खरीद-बिक्री के लिहाज से सुगम हैं। साथ ही भौतिक रूप से सोना रखने के उलट, इसके रख-रखाव या सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। पारंपरिक जरूरतों के लिए, खासकर भारत में, जहां शादी, त्योहारों और पारिवारिक अवसरों में सोने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, भौतिक सोने में थोड़ा सा हिस्सा रखना पूरी तरह से उचित है। 'हालांकि, पूंजी सृजन के मकसद से सोने के आवंटन का अधिकांश हिस्सा ईटीएफ के माध्यम से बनाए रखना सबसे अच्छा है।

# पहली-पहली लगी है नौकरी तो निवेश को दें पहली प्राथमिकता

**■ कई जगह निवेश कर बनाएं भविष्य सुरक्षित, युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड कर सकते हैं तैयार**

अगर आपकी भी पहली नौकरी लगी है और सैलरी आ गई है तो ध्यान दें। पूरी सैलरी को महज मौज मस्ती के लिए खर्च न करें। इसमें से कुछ हिस्सा बचत करें यानी निवेश करें। इससे आपको भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। अपनी सैलरी का कुछ हिस्सा कई जगह निवेश करें। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड तैयार कर सकते हैं। पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन की तलाश करें और पैसा बचाएं। इससे आपको कभी भी पैसों की तंगी नहीं होगी। रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ निवेश के ऑप्शन के बारे में जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे। यह मजबूती आपके परिवार और बच्चों के लिए बेहद अहम होगी। जिन लोगों की पहली नौकरी लगी है, उन लोगों को यहां जरूर निवेश करना चाहिए।

### निवेश के लिए सुरक्षित ऑप्शन

पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को निवेश जरूर करना चाहिए। खासकर युवा लोगों को निवेश को जरूर प्राथमिकता देनी चाहिए और अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा बचाकर एक अच्छी स्कीम में जरूर निवेश करना चाहिए। अगर आप एक युवा हैं और आपकी पहली नौकरी लगी है और आप निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन चुने और रणनीति बनाकर निवेश करें। अपने लक्ष्य को पहचानें और आगे बढ़ते जाएं। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर अपने भविष्य के लिए काफी अच्छा फंड बना सकते हैं।

### म्यूचुअल फंड एसआईपी

अगर आप एक युवा हैं तो आपको अपने पोर्टफोलियो में म्यूचुअल फंड एसआईपी को जरूर शामिल करना चाहिए। यहां आप हर महीने केवल 500 रुपये एसआईपी शुरू कर सकते हैं और इसे लंबे समय तक जारी रख सकते हैं। लंबे समय में म्यूचुअल फंड एसआईपी में आपको काफी अच्छा रिटर्न मिल सकता है, जो आपके भविष्य को सुरक्षित बनाएगा।

### पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम भी काफी लोकप्रिय सरकारी स्कीम है, जहां निवेशक थोड़े थोड़े निवेश के साथ अच्छा फंड बना सकते हैं। पीपीएफ में आपको सालाना 15 सालों तक निवेश करना होगा। यहां आपको 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। यह भी निवेश का बेहतर विकल्प है। यह युवाओं के बीच काफी लोप्रिय है। इसलिए पीपीएफ में निवेश का विकल्प भी युवा चुन सकते हैं।

### एफडी और आरडी

सुरक्षित निवेश के लिए आपको अपनी कुछ सेविंग्स को बैंक एफडी में भी जरूर निवेश करना चाहिएद्ध इसके अलाना रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी भी एक बेस्ट ऑप्शन है, जहां आप हर महीने थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं, और एक फिक्स्ड ब्याज दर से रिटर्न पा सकते हैं। हालांकि इसमें रिटर्न बेहद कम मिलता है, लेकिन निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प है। अपने निवेश के पोर्टफोलियो में गोल्ड को भी थोड़ी जगह दें और यहां पर भी अपने पैसों को जरूर निवेश करें। गोल्ड में निवेश करने के लिए आप डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं।

## बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना बना देगी आर्थिक रूप से कमजोर

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी भी बढ़ाती है परेशानी

# छोटे-छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें, वरना बढ़ सकता है आर्थिक संकट

## रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से पैसा कर देती हैं कम

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना आर्थिक संकट नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो अपने छोटे छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें। वरना ये आपकी बड़ी परेशानी बढ़ा सकते हैं। मसलन बाजार में ऑफर और सस्ती चीजों को देखकर ललचाएं नहीं। जो आपके जरूरत की चीजें हैं सिर्फ उन्हें ही खरीदें और मस्ती से जीवन व्यतीत करें। कई बार देखने में आता है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से आपका पैसा कम कर देती हैं। रोजाना के खर्च, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी, बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना आपके भविष्य को कमजोर कर सकते हैं। जागरूकता और सही कदम आपकी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि पैसों की समस्या बड़ी गलती, अचानक खर्च, नौकरी छूटना या गलत निवेश की वजह से होती है, लेकिन सच यह है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें आपके पैसे को धीरे-धीरे कम कर देती हैं। ये आदतें छोटी लगती हैं, कभी-कभी अनजाने में होती हैं और समय के साथ बचत को कमजोर कर देती हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ आदतें जो आपको नुकसान पहुंचा सकती हैं और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है। इनको सुधारकर आप अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार सकते हैं और अनावश्यक खर्चे से भी बच सकते हैं।

### छोटे खर्चों को नजरअंदाज करना

छोटे-छोटे खर्च, जैसे हर दिन की कॉफी, नाश्ता या मोबाइल ऐप सब्सक्रिप्शन, अक्सर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, लेकिन अगर इन्हें जोड़ा जाए तो यह महीने के अंत में एक बड़ी रकम बन जाती है। इसलिए अपने खर्चों को एक हफ्ते तक नोट करें और देखें कि आपका पैसा कहां जा रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि आपको अपनी पसंदीदा चीजें छोड़नी हैं, बल्कि आप जागरूक होकर सोच-समझकर खर्च करें। इसके बाद जब आप माह के अंत में देखेंगे तो आपको बड़ी राहत मिलेगी।

### बचत बाद में करना

कई लोग सोचते हैं कि महीने के आखिर में बचत करेंगे, जो बचेगा वही बचत होगा। अक्सर आखिरी में कुछ भी नहीं बचता। सही तरीका यह है कि पहले बचत करें और फिर खर्च करें। अपने अकाउंट से वेतन मिलने के तुरंत बाद ही बचत या इन्वेस्टमेंट अकाउंट में कुछ पैसा डाल दें। यदि आप अपनी इनकम का 10%-15% नियमित रूप से बचाते हैं, तो समय के साथ यह एक बड़ा फंड बन जाएगा। जितनी जल्दी आप शुरू करेंगे, उतना ही आसान आपका भविष्य होगा। इसलिए शुरुआत से ही बचत पर ध्यान दें।

### बीमा व आपातकालीन योजना

कई लोग सोचते हैं कि जीवन बीमा या स्वास्थ्य बीमा लेना बाद में भी किया जा सकता है, लेकिन एक छोटा अस्पताल का बिल या अचानक हादसा आपकी सारी बचत मिटा सकता है। जीवन बीमा आपके परिवार की सुरक्षा करता है और स्वास्थ्य बीमा अस्पताल के खर्चों से बचाता है। यह छोटे-छोटे मंथली प्रीमियम आपके भविष्य की सुरक्षा में बहुत मदद करते हैं।

### अपनी वित्तीय स्थिति की समीक्षा जरूर करें

पैसे की आदतों को केवल सही तरीके से खर्च और बचत करने की जरूरत नहीं होती, बल्कि इन्हें समय-समय पर देखना भी जरूरी है। हर महीने कुछ घंटे अपने बैंक स्टेटमेंट, बीमा और निवेश की समीक्षा में बिताएं। इससे आप फालतू खर्च पकड़ पाएंगे, अपने लक्ष्यों को सही दिशा में रख पाएंगे और अपने वित्तीय भविष्य पर भरोसा कर पाएंगे। आपके रोजमर्रा के फैसले आपके पैसे और भविष्य को प्रभावित करते हैं। कुछ छोटी-छोटी गलत आदतें धीरे-धीरे आपकी जेब खाली कर देती हैं, जबकि सही आदतें आपके भविष्य को मजबूत और सुरक्षित बनाती हैं। इससे आपको पैसे संबंधी परकशानी होगी और आपका निवेश भी बढ़ता जाएगा। इसलिए निवेश पर जरूर फोकस करें।

### क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करना आसान होता है, इसलिए हम छोटे खर्च भी कार्ड से कर लेते हैं। इससे खर्च का एहसास कम होता है। सही तरीका यह है कि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल केवल जरूरी और योजना बनाकर करें और हर महीने पूरा बिल चुका दें। इससे आप बिना कर्ज के शांति महसूस करेंगे और फालतू ब्याज नहीं चुकाएंगे। अगर क्रेडिट कार्ड के बिन का समय पर भुगतान नहीं कर पाएं तो भारी भरकम ब्याज आपके बजट को बिगाड़ सकता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड के खर्च पर ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है।

### यह रखें ध्यान

किसी पर परिस्थिति में दूसरे की चीजों देखकर रीस न करें। अपना बजट बनाकर चलेंगे तो हमेशा खुश और आर्थिक रूप से मजबूत रहेंगे। बाजार में जाएं तो ऑफर्स को देखकर चीजें न खरीदें अपनी जरूरत के हिसाब से खरीदे। इससे आप गैरजरूरी खर्चों से मुक्ति पा लेंगे और आपकी बचत भी बढ़िया होगी।

# सिल्वर ईटीएफ ने कराई जबरदस्त कमाई, 11 माह में दिया 100% से ज्यादा रिटर्न

**सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है**

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस साल सिर्फ फिजिकल चांदी ही नहीं, बल्कि सिल्वर ईटीएफ ने भी निवेशकों की जबरदस्त कमाई करवाई है। सिल्वर ईटीएफ ने इस साल अब तक यानी करीब 11 महीने में ही 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशक सोच रहे हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा बुक कर लेना चाहिए या निवेश जारी रखना चाहिए। सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है और स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार करता है। इसमें फिजिकल चांदी खरीदने की जरूरत नहीं होती। निवेशक ट्रेडिंग अकाउंट के जरिए इसकी यूनिट खरीद और बेच सकते हैं। यह भौतिक चांदी की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशक बिना चांदी खरीदे, उसके दाम बढ़ने का फायदा उठा सकते हैं। यह 99.9% शुद्ध चांदी में निवेश करता है और डीमैट खाते के ज़रिए शेयरों की तरह खरीदा-बेचा जा सकता है, जो सुरक्षा और स्टोरेज की झंझट से बचाता है।

**स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार भी करता है**

### इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ हैं, जिन्होंने इस अवधि में औसतन 98.51% का रिटर्न दिया है। इन 21 फंडों में से 10 ने साल 2025 में अब तक 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक सबसे ज्यादा 100.89% का रिटर्न दिया है। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रू सिल्वर ईटीएफ का नंबर आता है, जिसने 100.72% का रिटर्न दिया है। एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ और एसबीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक क्रमशः 100.29% और 100.04% का रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने इस अवधि में 99.98% का रिटर्न दिया है। एक्सिस सिल्वर एफओएफ और टाटा सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने इसी अवधि में क्रमशः 94.38% और 92.52% का रिटर्न दिया है।

### क्यों आई तेजी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में चांदी में सुरक्षित निवेश के साथ-साथ मजबूत औद्योगिक मांग (इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, सोलर पैनल आदि के लिए) भी है। इसके साथ ही, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की ठोस खरीदारी और त्योहारी मांग ने कीमतों में और तेजी ला दी। एक्सपर्ट के अनुसार इस साल की शुरुआत में ईवी, सोलर पैनल, ग्रीन ट्रांजिशन और वैश्विक विद्युतीकरण को लेकर आशावाद ने लगातार औद्योगिक मांग की उम्मीदों को बढ़ाया। वैश्विक निवेशकों ने ब्याज दरों में कटौती, कम वास्तविक यील्ड और कमजोर डॉलर की उम्मीदों के बीच चांदी ईटीएफ में पैसा लगाया, जिससे यह तेजी और बढ़ गई।

### क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर चांदी में आपका निवेश आपकी तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना ठीक रहेगा, लेकिन अगर आप 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना चाहते हैं, तो यह अभी भी फायदेमंद है। अगर चांदी में आपका निवेश आपके पोर्टफोलियो में तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना सही है। वहीं 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना अभी भी फायदेमंद है।

### यह कैसे काम करता है

सिल्वर ईटीएफ फंड कुल संपत्ति का कम से कम 95% हिस्सा 99.9% या उससे ज़्यादा शुद्ध चांदी या चांदी से जुड़े डेरिवेटिव्स में निवेश करता है। आप इसे स्टॉक की तरह ब्रोकरेज अकाउंट के ज़रिए खरीद और बेच सकते हैं, जिससे यह आसान और तरल हो जाता है। इसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) चांदी की कीमत के साथ ऊपर-नीचे होता है।

### मुख्य लाभ

भौतिक चांदी खरीदने, रखने और उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं होती। यह सोने और चांदी के माध्यम से आपके पोर्टफोलियो को संतुलित करने में मदद करता है। और कम पैसों (जैसे 500 रुपये) से भी एसआईपी के ज़रिए निवेश शुरू कर सकते हैं।

### ऐसे करें निवेश

- ब्रोकर के साथ डीमैट और ट्रेडिंग खाता : किसी भी ब्रोकर के पास खाता खोलें जो ईटीएफ में निवेश की सुविधा देता हो।
- सही सिल्वर ईटीएफ चुनें: अपनी जरूरत के हिसाब से जैसे निप्पॉन, कोटक, आईसीआईसीआई आदि के सिल्वर ईटीएफ चुनें।
- खरीदें : स्टॉक की तरह अपने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सिल्वर ईटीएफ के यूनिट्स खरीदें।

## खबर संक्षेप

### बुपनिया में जोहड़ से मोटर चोरी

**बहादुरगढ़।** गांव बुपनिया में निकासी व्यवस्था के लिए जोहड़ पर लगाई गई मोटर पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। जब गांव के लोग जोहड़ की ओर गए तो वारदात का पता चला और उन्होंने सरपंच को मामले से अवगत कराया। इस संबंध में सरपंच प्रतिनिधि अनिल की ओर से पुलिस को शिकायत दे दी गई है। अनिल का कहना है कि निकासी के लिए मांगी जोहड़ पर दस एचपी की मोटर लगाई थी। गत 12 दिसंबर को देखा तो मोटर नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। पुलिस तलाशने में मदद करे। उधर, बादली पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

### किसानों की आर्थिक मदद पर अहलावत ने जताया आभार

**बहादुरगढ़।** प्रदेश सरकार ने बाढ़ से प्रभावित किसानों को बड़ी आर्थिक सहायता प्रदान की है। इसके लिए भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राम अहलावत ने सरकार का आभार जताया है। अहलावत का कहना है कि सरकार द्वारा 53 हजार 821 किसानों के लिए 116 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की गई है। इसमें बाजरा, कपास, धान और ग्वार फसलों के नुकसान की भरपाई शामिल है। भावांतर भरपाई योजना के तहत एक लाख 57 हजार बाजरा किसानों को 575 प्रति क्विंटल की दर से 358 करोड़ 62 लाख की सहायता दी गई है। किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए सरकार ने एकमुश्त निपटान योजना भी लागू की है।

राम अहलावत

*यातायात प्रभारी वीरेंद्र कुमार व जिला व्यापार मंडल के संरक्षक केडी मैनपाल की टीम सड़कों पर उतरी*

# शहर की सड़कों पर अतिक्रमण न करें व्यापारी पुलिस प्रशासन का करें सहयोग : केडी शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर की सड़कों से अतिक्रमण हटाने को लेकर पुलिस प्रशासन के साथ अब जिला व्यापार मंडल भी उतर आया है। पुलिस टीम के साथ व्यापार मंडल के पदाधिकारी दुकानदारों से सड़कों पर अतिक्रमण न करने की अपील कर रहे हैं। यातायात प्रभारी वीरेंद्र कुमार और जिला व्यापार मंडल के संरक्षक केडी मैनपाल शर्मा की टीम सड़कों पर उतरी। उन्होंने दुकानदारों से जहां निर्धारित सीमा में सामान रखने की बात कही, वहीं अतिक्रमण से वाहन चालकों और राहगीरों को हो रही परेशानियों के बारे में भी अवगत करवाया। वीरेंद्र कुमार ने कहा कि पुलिस 24 घंटे आमजन की सेवा में कार्य करती है।

**झज्जर।** अतिक्रमण न करने के लिए दुकानदारों को जागरूक करते हुए पुलिस टीम और व्यापार मंडल के पदाधिकारी। **फोटो : हरिभूमि**

### दुकानदार नियमों की पालना करें

*इसलिए आपका भी कर्तव्य बनता है कि पुलिस का सहयोग करें। वहीं व्यापार मंडल के संरक्षक केडी मैनपाल शर्मा ने कहा कि सभी दुकानदार अपनी व्यवस्था बनाकर कर चले। जिला प्रशासन, नगर परिषद द्वारा सामान बाहर रखने के लिए बनाए गए नियमों की पालना करते हुए जागरूक नागरिक का परिचय दें। हमारा प्रयास यहीं रहना चाहिए कि अपने कारोबार में वृद्धि के साथ-साथ आमजन को भी किसी भी तरह की परेशानी ना हो। उन्होंने कहा कि व्यापारी अतिक्रमण न करें और पुलिस व नप टीम का इस कार्य में सहयोग करें। वहीं व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केशव सिंगला ने भी सभी व्यापारियों से अतिक्रमण न करने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।*

## न्यूज डायरी

**झज्जर।** शिक्षकों व अतिथियों के साथ मंच पर उपस्थित होनहार विद्यार्थी।

### वार्षिक समारोह में होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

**झज्जर।** एमआर सीनियर सेकेंडरी स्कूल हसनपुर में शनिवार को 33वां वार्षिक उत्सव मनाया गया। एमआर ग्रुप के निदेशक सोमबीर कोडान बताया कि दा कल्चर कनेक्ट शीर्षक से आयोजित समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने मुख्यातिथि व डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल, डीसीपी लोगेश कुमार व एसीपी अनिरुद्ध चौहान विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने एमआर ग्रुप के अध्यक्ष रणबीर कोडान, निदेशिका संगीता कोडान के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करते हुए समारोह की शुरूआत की। मुख्यातिथि ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में एमआर ग्रुप ने एक ऐसी मिसाल कायम की है, जिसके सकारात्मक परिणाम आज प्रदेश ही नहीं, देश-विदेश में दिखाई दे रहे हैं। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि एमआर संस्थान शिक्षा, अनुशासन और प्रतिभा के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। कार्यक्रम में प्राचार्या नेहा शर्मा ने अतिथियों के समक्ष संस्थान द्वारा हासिल की गई वर्षभर की शैक्षणिक एवं खेल उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान बोर्ड परीक्षाओं में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 25 विद्यार्थियों को विद्यालय प्रबंधन द्वारा लैपटॉप प्रदान किए गए जबकि 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 60 विद्यार्थियों को साइकिल देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी पुरस्कार एवं स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए।

### शिविर में 80 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

**झज्जर।** जिले के गांव धनिया में शनिवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। दीनदयाल उपाध्याय अराजनैतिक संगठन द्वारा गांव के हनुमान मंदिर परिसर में लगाए गए इस स्वास्थ्य जांच शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं दी। इंद्र कौशिक ने बताया कि शिविर में ग्राम सरपंच सरोज बाला तथा महंत मिथलेस दास महाराज ने मुख्य रूप से शिरकत की। शिविर में करीब 80 लोगों की शूगर, बीपी, हड्डी रोग संबंधी जांच की गई तथा जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क दवा व परामर्श भी दिया गया। इस मौके पर मंदिर कमेटी प्रधान वीर सिंह, पूर्व सरपंच जय सिंह, नफे सिंह, रामेश्वर, शिक्षक पवन कुमार, मुकेश, प्रदीप, राम, कैलाश, बिमला देवी, महेंद्र कौर, कमला देवी, शीला देवी, अर्चना देवी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

**झज्जर।** स्वास्थ्य जांच शिविर में उपस्थित ग्रामीण एवं चिकित्सक। **फोटो :हरिभूमि**

### शिक्षकों को बताए शिक्षण के रोचक तरीके

**झज्जर।** कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में शनिवार को वेल्यू एजुकेशन विषय पर एक दिवसीय इनहाऊस सीबीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में विद्यालय के करीब 50 शिक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के रिसोर्स पर्सन विनोद कुमार ने शिक्षकों को वेल्यू एजुकेशन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। वर्तमान समय में नैतिक मूल्यों का समावेश शिक्षा प्रक्रिया में अत्यंत आवश्यक है। नैतिक मूल्यों से युक्त शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, चरित्र निर्माण और सकारात्मक सोच को मजबूत बनाती है। उन्होंने कक्षा शिक्षण में वेल्यू एजुकेशन को रोचक और प्रभावी तरीके से शामिल किए जाने के उपायों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि मूल्य शिक्षा के माध्यम से अधिगम प्रक्रिया को अधिक अर्थपूर्ण और व्यवहारिक बनाया जा सकता है। शिक्षकों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताते हुए इसे अपने दैनिक शिक्षण कार्य में अपनाने का संकल्प लिया।

**झज्जर।** रिसोर्स पर्सन विनोद कुमार के साथ उपस्थित शिक्षक। **फोटो :हरिभूमि**

### सफला एकादशी का उपवास करने से मिलती है सफलता : पंडित गुलशन

**झज्जर।** हिन्दू धर्म में पौष माह की एकादशी को सफला एकादशी कहते हैं। माना जाता है कि इस एकादशी का व्रत करने से इंसान को सफलता मिलती है तथा उसके सभी कार्य सफल हो जाते हैं। अबकी बार सोमवार को सफला एकादशी का उपवास रखा जाएगा। इसका व्रत करने वाले पर भगवान प्रसन्न होते हैं। पंडित गुलशन शर्मा ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार जो व्यक्ति सफला एकादशी का व्रत रखता है। उसकी सभी मनोकामनाएं सफल होती हैं। सफला एकादशी की रात्रि में जागरण कर श्रीहरि नाम का भजन करने का भी बड़ा महत्व है। जो व्यक्ति दिन में एकादशी व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करता है और रात्रि जागरण में ईश्वर का ध्यान करते हुए श्रीहरि के अवतार एवं उनकी लीला कथाओं का पाठ करता है उनका व्रत सफल होता है। इस प्रकार से सफला एकादशी का व्रत करने वाले पर भगवान प्रसन्न होते हैं। यह एकादशी कल्याण करने वाली है। जो लोग यह व्रत नहीं कर पाते हैं उनके लिए शास्त्रों में विधान है कि इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करें। दैनिक जीवन के कार्य करते हुए भगवान का स्मरण करें। संध्या के समय भी भगवान की पूजा करें और आरती के बाद भगवान की कथा का पाठ करें। भगवान विष्णु उनके भी सभी मनोरथ पूरे करेंगे।

पंडित गुलशन शर्मा

# एसआर सेंचुरी में लगी गणित व इंग्लिश प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नगर के एसआर सेंचुरी पब्लिक स्कूल में शनिवार को इंग्लिश एवं गणित विषय पर आधारित शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रधानाचार्य वीएन झा द्वारा किया गया। गणित और इंग्लिश अध्यापकों के नेतृत्व और देखरेख में प्रदर्शनी लगाई गई। विद्यार्थियों ने इंग्लिश विषय में संवाद, कविता, शब्द-खेल, मॉडल तथा गणित में गणनात्मक यंत्र, ज्यामितीय आकृतियां, गणितीय खेल और दैनिक जीवन में गणित के प्रयोग को दर्शाते हुए सुंदर चार्ट व मॉडल प्रस्तुत किए। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने इंग्लिश प्रदर्शनी में मॉडर्न एरा व इंग्लिश लिटरेचर एरा पर आकर्षक चार्टों का डिस्प्ले किया। प्रिंसी, भूमि, यशस्वी, नव्या, वंशिका, महक, ईशानी, दक्ष, डिंपी, हितेन और गर्वित ने विलियम शेक्सपियर द्वारा लिखित साहित्य से अभिभावकों को अवगत करवाया। डिस्कवरिंग टुट : द सागा कंटिन्यूज विषय को कृतिका, तनीषा, अक्षरा, भाविका, सोनी और दीपांशु ने सुंदर मॉडल बनाकर प्रस्तुति दी। लिटरेरी मोमेंट को साक्षी, वन्या, वंशिका, हंसिका, दिशा, युवराज, चाहत और धन्वी ने चित्रों के माध्यम से समझाया।

**बहादुरगढ़।** प्रदर्शनी में मॉडल दिखाते सेंचुरी स्कूल के विद्यार्थी। **फोटो : हरिभूमि**

### शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को दी बधाई

ग्रीक मैथोलॉजी को अमन, चारवी, रूपांशी, साक्षी, भाविका, भूमि, परिणीता, यशस्वी, यशिका और भूमिका ने मॉडल के माध्यम बताया। यश कालरा ने पोएटिक डिवाइस पर एक सुंदर चार्ट बनाया। कक्षा तीसरी से 10वीं तक के विद्यार्थियों दिशा, प्रतीक, दीप्ति, एंजेल, प्रतीक, कनक, यीशु, गर्वित, चक्षु, मुस्कान, आराध्य, अन्जुने, गीतांजलि, कुणाल, हर्षिता, दक्ष, कविश, मुकुल, आरव, छवि, मितल, आन्या, गव्या, आदि ने इंग्लिश लिटरेचर और ग्रामर पर अत्यंत सुंदर प्रस्तुति दी। मैथ एग्जीबिशन में ज्यामिति आकृतियों का शहर आठवीं कक्षा की रिद्धिमा और तनिषा ने बनाया। इसी कक्षा के विद्यार्थियों तेजस्वी, वंशिका और मनस्वी ने आर्यभट्ट की कहानी को मॉडल द्वारा प्रस्तुत किया। कृति, दिया और वृष्टि ने भिन्नों का रोबोट बनाया। कक्षा 7 से 9 के विद्यार्थियों हृद्यांश, शांतनु, हरप्रीत, अंकिता, वंशिका, संस्कार, रक्षित, हितेन, नक्ष और मृदुल ने क्रमशः वर्ग और घन, गणितीय पार्क, निर्देशांक ज्यामिति के सुंदर मॉडल तैयार किए। कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों ने गणित से संबंधित विभिन्न खेलों जैसे क्विज, पजल, सुडोकू, फास्ट कैलकुलेशन, नंबर गेम, ब्रेन गेम आदि के आकर्षक मॉडल बनाए। स्कूल निदेशक संजीत राठी और प्रधानाचार्य वीएन झा ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए ऐसी प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

## ईशा के सिर सजा मिस फ्रेशर का ताज

बहादुरगढ़। फ्रेशर पार्टी में स्टेज पर झूमती बीएड छात्राएं, टाइटल विजेता छात्राओं के साथ प्रिंसिपल डॉ. आशा शर्मा। **फोटो :हरिभूमि**

**बहादुरगढ़।** वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में नवागत छात्राओं का स्वागत करने के लिए द्वितीय वर्ष की भावी अध्यापिकाओं द्वारा फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। मिस फ्रेशर ईशा, प्रथम रनर अप पारूल, सेकंड रनर अप प्रिया दलाई रही। शिवानी को स्टेज एंटरटेनर, मुस्कान को मिस फोटोजेनिक, पारूल को मिस फैशन आईकॉन तथा बेस्ट डांसिंग के लिए प्रिया दलाई को चुना गया। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा व प्रथम वर्ष की छात्राओं ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुरू किया। द्वितीय वर्ष की ज्योति, तान्या, मधु व हिमांशी द्वारा हरियाणवी नृत्य प्रस्तुति दी गई। मिस फ्रेशर कॉन्टेस्ट का आयोजन किया गया। कैटवॉक एंड इंट्रोडक्शन के पहले राउंड में कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें से 13 प्रतिभागियों का चयन द्वितीय टैलेंट राउंड के लिए किया गया। इस राउंड में छात्राओं ने हूक स्टेप के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रथम वर्ष की छात्रा प्रिया दलाई, पारूल, नेहा, तन्नु, ईशा, शिवानी, दीपा, कुसुम व लिपिका द्वारा नृत्य प्रस्तुति दी गई। प्रथम वर्ष की छात्राओं से पिक द पार्सल व डांस एंड होल्ड द बैलून प्रतियोगिता करवाई गई। पिक द पार्सल में अंजलि व कुसुम तथा डांस एंड होल्ड द बैलून गेम में प्रिया दलाई व लक्ष्मी विजयी रही। मिस फ्रेशर कॉन्टेस्ट के अंतिम राउंड प्रश्नोत्तर राउंड में कुल 6 प्रतिभागी चुने गए। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने सभी नई भावी अध्यापिकाओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नैतिक मूल्य, संस्कार एवं व्यावसायिक दक्षता से युक्त बनाया जाता है। उन्होंने सीनियर्स द्वारा जूनियर्स के आत्मीय स्वागत एवं मार्गदर्शन की सराहना की।

### शिविर में 22 युवाओं ने किया रक्तदान

**झज्जर।** इंडेप्थ विजन फाउंडेशन व सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया द्वारा क्षेत्र के गांव ढराणा में कैंसर रोगियों की सहायतार्थ रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। दीपांश दहिया व संदीप संभरवाल की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में एम्स बाढ़सा ब्लड बैंक की चिकित्सीय टीम ने सेवाएं दीं। इस दौरान कुल 22 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। संस्था सदस्यों द्वारा सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साह वर्धन किया। इस मौके पर हरिओम, विनय, रामबीर, रमन, गोविंदा, सुधीर, संदीप, कविता, वजीर सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

**झज्जर।** रक्तदान उपरांत मिला प्रशस्ति-पत्र दिखाते हुए रक्तदाता। **फोटो : हरिभूमि**

## जैन ने आमजन से की स्वदेशी अपनाने की अपील

बहादुरगढ़। मोदी सरकार की सराहना करते वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन।

**बहादुरगढ़।** वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश में स्वदेशी को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में जुटी है। ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यथासंभव अपने देश में निर्मित स्वदेशी उत्पाद ही खरीदें, क्योंकि इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेगा और देश की आर्थिक नींव भी मजबूत होगी। डॉ. पंकज जैन ने कहा कि स्वदेशी उत्पाद खरीदने से छोटे कारीगरों, स्थानीय उद्योगों तथा स्वरोजगार से जुड़े लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिलता है। देशवासी यदि विदेशी वस्तुओं की जगह भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता दें तो भारत की अर्थव्यवस्था और अधिक सशक्त बनेगी। जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेक इन इंडिया नीति के तहत अनेक ऐसे उत्पाद, जिन्हें पहले दूसरे देशों से आयात किया जाता था, अब भारत में ही निर्मित हो रहे हैं। इससे उद्योगों को गति मिली है और भारत तेजी से उत्पादन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। यह स्पष्ट संकेत है कि मेक इन इंडिया अभियान लगातार मजबूत हो रहा है। डॉ. पंकज जैन ने कहा कि मोदी सरकार देशभर में स्वदेशी उत्पादन और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को लेकर बड़े स्तर पर जनजागरण अभियान चला रही है। लोग अब पहले की तुलना में अधिक संख्या में स्वदेशी वस्तुएं खरीद रहे हैं। स्वदेशी अपनाकर हम राष्ट्र को मजबूत करने में सीधा योगदान देते है। जैन ने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि सदैव स्वदेशी उत्पाद को ही प्राथमिकता दें, ताकि भारत आत्मनिर्भरता की राह पर तेजी से आगे बढ़ सके।

### कुलासी के सरकारी स्कूल में शिक्षक व विद्यार्थी खतरे के साये में आने को मजबूर

**बहादुरगढ़।** गांव कुलासी के सरकारी स्कूल में शिक्षक व विद्यार्थी खतरे के साये में आने को मजबूर हैं। यहां स्कूल के गेट के ठीक बाहर नाले पर बनी पुलिया जर्जर हालत में है। काफी पुरानी होने के कारण पुलिया की हालत खराब है और इसकी दीवार भी टूट चुकी है। जर्जर पुलिया के कारण हादसे की आशंका बनी हुई है। जोखिम उठाकर शिक्षक व विद्यार्थी स्कूल में प्रवेश कर रहे हैं। आगामी दिनों में जब धुंध पड़ेगी तो खतरा और भी अधिक बढ़ जाएगा। गांव के लोगों ने इसके समाधान की मांग उठाई है। ग्रामीण सुरेश फौजी, संज, प्रवीण, सुनील, राहुल, अशोक आदि ने कहा कि काफी विद्यार्थी इस स्कूल में पढ़ते हैं। बच्चे चंचल स्वभाव के होते हैं। छुट्टी होने पर तेजी से निकलते हैं। ऐसे में पुलिया की दीवार न होने पर उनके नाले में गिरने की आशंका बढ़ी रहती है। पुलिया के सुधार की बेहद जरूरत है। सरकार, प्रशासन को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। बच्चों, शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यहां पुलिया की मरम्मत जल्द की जानी चाहिए।

### नाटक के माध्यम से किया ग्रामीणों को जागरूक

**झज्जर।** ब्रेकथ्रू संस्था द्वारा क्षेत्र के गांव दादरी तोए, कबलाना, दुजाना व डावला गांव में बदलाव की ओर बढ़ते कदम नाटक का आयोजन किया गया। संस्था सदस्य साहिल ने बताया कि विद्यालय में तारों की टोली के माध्यम से किशोर-किशोरी को सशक्त करते हैं, परंतु उन्हें अभिभावकों का साथ नहीं मिल पाता है। खासकर लड़कियों को उनके अधिकार, सपनो से वंचित कर दिया जाता है। इस नाटक के माध्यम से एक ऐसा माहौल तैयार करते हैं जहां पर अभिभावक और किशोर-किशोरियों के बीच खुलकर बातचीत हो सके और अभिभावक उनके सपनों को पूरा करने में सहयोग दे सके। इसी प्रकार डावला गांव में जया, कबलाना गांव में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजबाला, दादरी तोए में अभिभावक रवीना ने अपने-अपने विचारों में संस्था सदस्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को चाहिए कि वह लड़के और लड़की में भेदभाव न करें। लड़की को भी उच्च शिक्षा दिलाएं और अधूरे सपनों को पूरा करने में उसका सहयोग दें। इस मौके पर संस्था सदस्य ममता मीणा, पूनम, नारद, अनुराधा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

**झज्जर।** नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करते हुए संस्था सदस्य।

### लोगों को दिलाई बाल विवाह रोकने की शपथ

**झज्जर।** बाल विवाह मुक्त भारत के एक सौ दिवसीय अभियान के अंतर्गत शनिवार को क्षेत्र के गांव बरहाना व कोका गांव में लोगों को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए जागरुक किया गया। कार्यक्रमों के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, महिला एवं बाल विकास विभाग, संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी तथा एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था सदस्यों ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बाल विवाह की रोकथाम के लिए जागरुक किया। एमडीडी ऑफ इंडिया से जिला समन्वयक मनोज कुमार, कार्यकर्ता संदीप व पूनम डागर ने ग्रामीणों को बाल विवाह से उत्पन्न होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के चलते बालिकाओं का शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक विकास नहीं हो पाता। वे विकास रूपी दौड़ में पिछड़ जाती है। पैरा लीगल वालिंटियर कर्मजीत छिल्लर ने बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा बाल विवाह एक कानूनन अपराध है। इसके दोषियों को जुर्माना व सजा का भी प्रावधान है। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व उपस्थित लोगों को बाल विवाह रोकने के संबंध में शपथ भी दिलाई गई। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग से मोनिका, संदीप जांगड़ा, सुपरवाइजर मनीषा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुशीला, आशा कार्यकर्ता प्रमिला, बनीता, पिंकी, नीलम, कविता, माधुरी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

## पूर्व विधायक ने दिल्ली रैली में चलने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने बहादुरगढ़ के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से रविवार 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली वोट-चोर गद्दी छोड़ महारैली में भारी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया है। कांग्रेस इस रैली के जरिए 2024 के लोकसभा चुनावों, हरियाणा विधानसभा चुनाव व मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में की गई धांधली, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग के वोट कटने तथा चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाएगी। इसके साथ ही महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों को भी रैली के मंच से प्रमुखता दी जाएगी। हलके के लोग रिकॉर्ड तोड़ संख्या में दिल्ली पहुंचकर रैली को सफल बनाएं। यह रैली केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का सामूहिक अवसर भी है।

राजेंद्र सिंह जून

## माउंट व्यू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक खेल सप्ताह उत्साह व उमंग से मनाया

# कबड्डी में जीता माउंट व्यू का सुखदेव सदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

माउंट व्यू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक खेल सप्ताह बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। मध्य दिवस के अवसर पर कक्षा छठी से 9वीं के छात्रों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

छात्रों ने विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए। दौड़ प्रतियोगिता में सवी, प्रांजल, दीक्षा, कबीर आदि विजेता रहे। नींबू दौड़ में अंजली, पूर्वी, रक्षित ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। श्री लेग रेस में प्रथम स्थान पर तनिशा एवं सिया, द्वितीय स्थान पर उर्वशी एवं पायल तथा तृतीय स्थान पर माही एवं वंशिका रही। कबड्डी मैच का शुभारंभ प्रधानाचार्य सुरेंद्र छिल्लर द्वारा टॉस कराकर किया गया। उन्होंने बच्चों को खेल को खेलभावना, अनुशासन और टीमवर्क के साथ खेलने के लिए उत्साहित किया। मुख्य मुकाबला भगत सिंह सदन और सुखदेव सदन के बीच खेला गया। खिलाड़ियों ने शानदार कौशल, ताकत और रणनीति का परिचय दिया। कड़े संघर्ष के बाद सुखदेव सदन विजेता घोषित हुआ। खेल सप्ताह में छात्रों ने अनुशासन, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और खेल भावना की सीख ली। स्कूल निदेशक देवेंद्र लाठर ने सभी प्रतिभागियों की सक्रियता और उत्साह की सराहना करते हुए सभी छात्रों का उत्साहवर्धन किया गया।

### कबड्डी मैच का शुभारंभ प्रधानाचार्य सुरेंद्र छिल्लर ने टॉस कराकर किया

बहादुरगढ़। विजेता व प्रतिभागी खिलाड़ियों के साथ प्रधानाचार्य सुरेंद्र छिल्लर।

**कार्यालय नगर परिषद बहादुरगढ़**
**नोटिस आम जनता**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सतीश कुमार, श्रीमती मंजू, श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी स्व. रमेश कुमार, श्री दीपक पुत्र, कोमल, भावना पुत्री स्व. रमेश कुमार पुत्र स्व. हरनाम दास, पुत्र व पुत्री कैलाशवंती पत्नी स्व. हरनाम दास निवासी लाइन पार, बहादुरगढ़ द्वारा Online NDC Portal पर Property ID No 3BC4LEQ5 वार्ड नंबर 19 कॉलोनी काट मंडी, रेलवे रोड बहादुरगढ़ जो कि नगर परिषद बहादुरगढ़ में नाम का कॉलम रिक्त है में नाम दर्ज व वर्ग गज 95 से 95 वर्ग गज करवाने हेतु Online Application No. 0187305629 द्वारा अप्लाई किया है।

अतः आम व खास को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पति नंबर 3BC4LEQ5 वार्ड नंबर 19 कॉलोनी काट मंडी, रेलवे रोड बहादुरगढ़ पर यदि कोई अन्य हकदार है या उक्त सम्पति पर किसी को कोई आपत्ति है तो वह सबूतों सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अंदर-अंदर नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय में आकर अपना दावा पेश करें। अन्यथा इस नोटिस का समय समाप्त होने पर यह सम्पति नंबर 3BC4LEQ5, 95 वर्ग गज प्रार्थी श्री सतीश कुमार, श्रीमती मंजू, श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी स्व. रमेश कुमार, श्री दीपक पुत्र, कोमल, भावना पुत्री स्व. रमेश कुमार पुत्र स्व. हरनाम दास, पुत्र व पुत्री कैलाशवंती पत्नी स्व. हरनाम दास के नाम से नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकार्ड में दर्ज कर दी जाएगी। जिसमें नगर परिषद बहादुरगढ़ को कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हस्ता/-कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद बहादुरगढ़।

## डकैती और अपहरण मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

**झज्जर।** सीआईए की एक टीम द्वारा अपहरण और डकैती मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सीआईए प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर ने बताया कि बीते 30 अक्टूबर को महाराष्ट्र निवासी सतीश अपनी गाड़ी में धान की फसल लेने के लिए झज्जर मंडी आया हुआ था। जब वह झज्जर–रेवाड़ी हाईवे पर स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तो दो गाड़ियों में आए लगभग छह युवकों ने उसकी गाड़ी को रोक लिया। आरोपियों ने पीड़ित सतीश के साथ मारपीट की, वाहन के शीशे तोड़ दिए तथा गाड़ी में रखे लगभग 11 लाख रुपये और उसका पर्स छीन लिया। इसके उपरांत पीड़ित को आरोपियों के अन्य साथियों को सौंप दिया गया, जो उसे जबरन हिमाचल प्रदेश ले गए। थाना सदर में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान प्रिंस निवासी गुरुग्राम और मोहित निवासी लोवा खुर्द झज्जर के रूप में हुई है।

### मॉडर्न स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव का हुआ भव्य समापन

# दौड़ में आरती, आर्यन व खुशी जीती

बहादुरगढ़। प्रतियोगिता में दौड़ लगाते, कबड्डी खेलते व रस्सा खींचते मॉडर्न स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

**डॉ. योगेश मेहता ने विजेताओं को पदक वितरित किए**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव शनिवार का भव्य समापन हो गया। विभिन्न रोमांचक खेल प्रतियोगिताओं ने छात्रों में उत्साह भर दिया। विद्यालय चेयरमैन डॉ. राकेश सांगवान, निदेशक उर्मिला सांगवान तथा मुख्य अतिथि डॉ. योगेश मेहता ने विजेताओं को पदक व प्रमाण पत्र प्रदान किए।

विद्यालय के प्राचार्य संजीव कौशिक तथा उप-प्राचार्य जितेंद्र दहिया ने सभी विद्यार्थियों को खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कबड्डी में प्रथम स्थान पर सरस्वती हाउस और द्वितीय स्थान पर गंगा हाउस रहा। खो-खो में प्रथम स्थान पर यमुना हाउस और द्वितीय स्थान पर कावेरी हाउस रहा। वॉलीबॉल के सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान कक्षा 12वीं और द्वितीय स्थान पर कक्षा 11वीं की टीम रही। रिले रेस के सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान पर गंगा हाउस और उपविजेता सरस्वती हाउस बना। रिले रेस के जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान पर सरस्वती हाउस और द्वितीय स्थान पर यमुना हाउस रहा। लड़कियों की रिले रेस में प्रथम यमुना हाउस, द्वितीय गंगा हाउस और तृतीय कावेरी हाउस रहा। सीनियर लड़कियों की 200 मीटर दौड़ में 12वीं की आरती प्रथम, मेघा द्वितीय और 7वीं की वंशिका तृतीय रही। जूनियर लड़कों की 200 मीटर दौड़ में प्रथम आर्यन, द्वितीय अंश कौशिक और तृतीय निशांत रहा। लड़कियों की 100 मीटर दौड़ में खुशी लाठर प्रथम, वंशिका द्वितीय और हंशिका तृतीय रही। शिक्षकों के बीच आयोजित टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता ने कार्यक्रम में मनोरंजन और उत्साह का अतिरिक्त रंग भर दिया। उर्मिला सांगवान ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह, अनुशासन और खेलभावना की सराहना करते हुए कहा कि खेल छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ऐसे आयोजन उन्हें नई ऊर्जा व प्रेरणा प्रदान करते हैं।

## जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य : मनीष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य माना जाता है। क्यूंकि यह मानव सेवा, ईश्वर सेवा के समान है। इससे सुख शांति मिलती है और समाज में एकता व भाईचारा बढ़ता है।

यह बात ऑल इंडिया ब्लड डोनेशन ग्रुप के अध्यक्ष एवं समाजसेवी मनीष बंसल ने शनिवार को जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण करने के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सभी व्यस्त है। लेकिन इस भाग दौड़ भरी जिंदगी में हमें उन लोगों के बारे में भी सोचना चाहिए जो हमारे आसपास रहते है और जिन्हें मदद की जरूरत है। जरूरतमंदों की सेवा करना न केवल सामाजिक कर्तव्य है बल्कि सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है।

झज्जर। जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते हुए समाजसेवी मनीष बंसल। फोटो : हरिभूमि

इस दौरान जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, नजफगढ़ के पूर्व विधायक भरत सिंह के पुत्र चैतन्य भरत सिंह, प्रीतम कुकड़ौला, आदित्य बंसल, मंडल अध्यक्ष राजपाल, संजय बुपनिया, दीपक गुलिया, हिम्मत देशवाल, नितिन गुलिया सहित अन्य भी मौजूद रहे।

**सोनू अखाड़े के 6 पहलवानों ने जीते मेडल**

बहादुरगढ़। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में हुए अंडर 19 स्कूल नेशनल गेम्स में मांडोठी स्थित हिंद केसरी सोनू अखाड़े के पहलवान छाए रहे। शानदार प्रदर्शन करते हुए अखाड़े के पहलवानों ने दो गोल्ड सहित छह मेडल हासिल किए। अंडर-19 ग्रीको रोमन कुश्ती में 130 किलोग्राम भार वर्ग में अनुज रूहल ने स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं 97 किलोग्राम में बोबी दलाल, 60 किलोग्राम में योगेश फसलवाल, 77 किलोग्राम में पुष्पेंद्र दहिया और 72 किलोग्राम भार वर्ग में मोहित दलाल ने कांस्य पदक जीते। इसके अलावा अंडर-17 स्कूल नेशनल गेम्स की फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 43 किलोग्राम भार वर्ग में दीक्षा दलाल ने स्वर्ण पदक जीता। विजेता खिलाड़ियों का अखाड़े में अभिनंदन किया गया। हिंद केसरी पहलवान सोनू पहलवान व अर्जुन अवार्डी कोच ओमबीर ने खिलाड़ियों को फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया। ये पहलवान अर्जुन अवार्डी कोच धर्मेंद्र दलाल के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे हैं। धर्मेंद्र दलाल ने बताया कि अखाड़े के पहलवान लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुमित दलाल, उमेश, दीपक, कपिल, सचिन और साहिल सहित सात पहलवानों का चयन सीनियर नेशनल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। कोच सुधीर, सेठी, मुकेश, रिंकू, अनुराग, सरूप, संजय रोहद, कृष्ण, प्रभु, पातर सिंह, वीरेंद्र, जितेंद्र, सत्येंद्र, संजय, बिल्लू ठेकेदार, राजू सरपंच पवन, रामकिशन व जीता आदि ने विजेताओं को जीत की बधाई दी।

## 100 मीटर दौड़ में साहिल व 200 मीटर में चिराग विजेता

■ एसआर सेंचुरी पब्लिक स्कूल में आयोजित 5 दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एसआर सेंचुरी पब्लिक स्कूल में आयोजित 5 दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के समापन पर प्राचार्य वीएन झा ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता की 100 मीटर दौड़ में 11वीं कक्षा के छात्र साहिल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि 200 मीटर दौड़ में चिराग विजेता रहे। रिले रेस में लड़कों की ग्रीन हाउस टीम ने बाजी मारी, वहीं लड़कियों की रिले रेस में येलो हाउस की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। फुटबॉल प्रतियोगिता में भी ग्रीन हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। बैडमिंटन प्रतियोगिता में लड़कियों की टीम में ब्लू हाउस और लड़कों की टीम में ग्रीन हाउस विजेता रहा। एयर पिस्टल शूटिंग में आठवीं कक्षा के कार्तिक काजला और स्टैंडिंग इवेंट में हर्ष ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कबड्डी प्रतियोगिता में भी ग्रीन हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया पीटीआई मधुबाला शर्मा, शमशेर, चांदनी और प्रमिला की देखरेख में प्रतियोगिता हुई। इसमें मोनिका, पूजा अग्रवाल, विनोद कौशल, सुनीता का विशेष सहयोग रहा।

## खबर संक्षेप

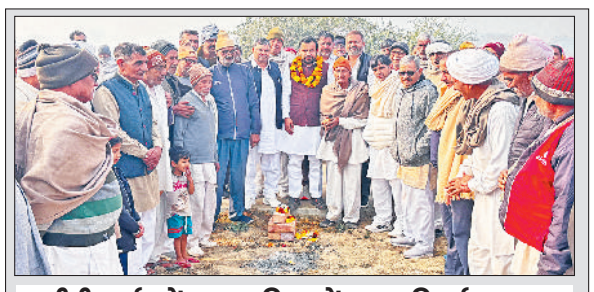

### शहीदी पार्क में सामुदायिक केंद्र का निर्माण शुरू

**बहादुरगढ़।** कुलासी गांव स्थित शहीदी पार्क में बनने वाले सामुदायिक केंद्र का निर्माण कार्य जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने शनिवार को गांव के बुजुर्गों द्वारा नारियल तुड़वाकर शुरू करवाया। ग्राम वासियों ने रविंद्र छिल्लर का स्वागत किया। रविंद्र छिल्लर बराही ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व और भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ के मार्गदर्शन में हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

### विद्यार्थियों को दी ट्रैफिक लाइट्स की जानकारी

**बहादुरगढ़।** यातायात पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शनिवार को यातायात थाना प्रबंधक महेश कुमार के नेतृत्व में यातायात पुलिस ने सेक्टर-6 मोड़, झज्जर मोड़ और बीकानेर चौक पर विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। राणा प्रताप स्कूल के विद्यार्थियों को ट्रैफिक लाइट के बारे में विस्तार से बताया। पैदल यात्री क्रासिंग और फुटपाथ के इस्तेमाल की जानकारी दी। डीसीपी मंयक मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसीपी प्रदीप खत्री ने यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी। आरएसओ सतीश शर्मा ने विद्यार्थियों को चौराहों पर ले जाकर उन्हें यातायात नियमों की जानकारी देने की सराहना की। एसआई युद्धवीर सिंह और राजीव का इसमें विशेष योगदान रहा।

### पुलिस ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

**बहादुरगढ़।** सर्दी लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए झज्जर पुलिस ने मानवीय पहल करते हुए जरूरतमंदों को राहत पहुंचाई। इसी कड़ी में थाना आसौदा पुलिस ने क्षेत्र के ईंट भट्टों और गरीब बस्तियों में कंबल वितरण अभियान चलाया। शनिवार को थाना प्रबंधक राजेश कुमार व मुंशी सुनील कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जरूरतमंद बच्चों, बुजुर्गों और असहाय लोगों को सर्दी से बचाव के लिए कंबल वितरित किए। सहायता पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी नजर आई। थाना प्रबंधक राजेश कुमार ने कहा कि पुलिस की भूमिका केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों की मदद करना भी हमारा दायित्व है। सर्दी के मौसम में जरूरतमंदों के साथ खड़ा होना पुलिस की संवेदनशीलता का परिचायक है।

### टेंट हाउस के गोदाम में चोरी

**बहादुरगढ़।** गांव सिद्धीपुर लोवा में नहर के निकट स्थित मान टेंट हाउस के गोदाम में चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर दीवार फांदकर गोदाम परिसर में घुसे और तीन जनरेटरों की बैटरियां चुरा ले गए। यह वारदात गत आठ दिसंबर की बताई जा रही है। जब टेंट हाउस मालिक राकेश मान ने अपना सामान व जनरेटर संभाले तो वारदात का पता चला। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो चोर परिसर में घुसकर वारदात करते नजर आए। फिर राकेश ने पुलिस को शिकायत दी। वारदात से टेंट हाउस मालिक को काफी नुकसान हुआ है। सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

M.R. SR. SEC. SCHOOL
Estd. 1993
विद्यया विन्द्यते अमृतम्
M.R. SCHOOL–JHAJJAR
HARYANA'S LEADING GROUP IN EDUCATION
(Affiliated to CBSE New Delhi, Code No. 530955) Hassanpur, Jhajjar
Helpline: 01251-297011, 8397922929, 8053922929
Website : www.mrschool.edu.in Email : info@mrschool.edu.in
33 Years of Academic Excellence

Registrations Open for Classes NUR. to XII
(Science, Commerce & Arts)
Session: 2026-27

DISTINCTIVE FEATURES:

Academic Excellence
- CBSE-based curriculum with well-structured teaching methods.
- Qualified, experienced, and dedicated faculty.
- Smart & digital classrooms for interactive learning.
- Regular tests, assessments, and academic monitoring.

Holistic Development
- Personality development & communication skills training.
- Debate, quiz, arts, music, dance & cultural activities.
- Special focus on moral values and discipline.

Modern Infrastructure
- Well-equipped Science Labs (Physics, Chemistry, Biology).
- Advanced Computer & Mathematics Labs.
- Spacious, ventilated classrooms.
- 15 ACRE lush green campus.

Sports & Physical Development
- Playgrounds for cricket, football, volleyball & athletics.
- A wide range of Shooting Academy.
- Professional sports training and regular practice sessions.

Safety & Care
- 24x7 CCTV surveillance across campus.
- Safe, secure, and student-friendly environment.
- Regular Parent–Teacher Meetings and counseling support.

Technology & Innovation
- Smart learning tools and digital teaching aids.
- Computer literacy programs from early classes.
- Exposure to modern learning methods & competitions.

Transport & Convenience
- Transport facility to nearby villages and towns.
- Clean, hygienic campus with proper facilities.
- 6th mile stone away from Jhajjar City.

भारत की विरासत का खास उत्सव - वार्षिक कार्यक्रम 2025
THE CULTURE CONNECT

M. R. SR. SEC. SCHOOL HASSANPUR (JHAJJAR)

Mob. 8397922929, 8053922929, 01251-297011

Glimpse of the Day

लेपटॉप देकर किया विधार्थियों को सम्मानित

वार्षिक उत्सव के मुख्य अतिथि श्री ओम प्रकाश धनखड़ जी (Hon'ble National Secretary, BJP) द्वारा बारहवीं कक्षा में 95% से अधिक अंक लेने वाले 15 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को लेपटॉप देकर सम्मानित किया गया। जिन्होनें अपने बेहतर वार्षिक परिणाम द्वारा अपने विद्यालय तथा अपने माता-पिता का नाम रोशन किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की भव्य प्रस्तुति

वार्षिक उत्सव के दौरान विद्यालय कलाकारों द्वारा बहुत ही सुन्दर व मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। जिसके माध्यम से बाल कलाकारों ने हरियाणवी संस्कृति की झलक दिखाई।

साईकिल व स्मृति चिह्न देकर विधार्थियों को किया सम्मानित

कक्षा दसवीं व बारहवीं में 90% से अधिक अंक लेने वाले विद्यालय के 60 छात्र- छात्राओं को विशिष्ट अतिथि उपायुक्त श्री स्वप्निल रवींद्र पाटिल द्वारा समारोह में साईकिल व 180 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि द्वारा सभी प्रतिभाशाली छात्र- छात्राओं का समारोह में मनोबल बढ़ाया गया। छात्र- छात्राओं के लिए यह क्षण बड़ा ही अविस्मरणीय रहा। विधार्थियों ने अपने आप को गौरवान्वित महसूस किया।

बाल कलाकारों की भव्य प्रस्तुतियाँ

विद्यालय के नन्हें-मुन्हें (Tiny Tots) कलाकारों द्वारा विभिन्न प्रकार के परिधानों से सुसज्जित प्रस्तुतियाँ सभी दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र रही। सभी बाल कलाकार बड़ी प्रसन्न मुद्रा में दिखाई दिए। सभी दर्शकों ने बाल कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

कर्मठ व अनुभवी शिक्षकों और कर्मचारियों का किया सम्मान

वार्षिक उत्सव के दौरान मुख्य अतिथि व विद्यालय निदेशक द्वारा विद्यालय के कर्मठ व अनुभवी शिक्षकों और कर्मचारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया जो अपने अनुभव और पूर्ण निष्ठा से विद्यालय में कार्यरत हैं। जिनके सही मार्ग दर्शन से संस्था उन्नति के पथ पर अग्रसर है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 दिसंबर 2025


आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

# हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

**क्या होता है डेटा:** जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

**इसलिए माना जाता है मूल्यवान:** आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

**डेटा बताता है आपकी रुचियां:** डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

**सोच को भी करता है प्रभावित:** आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

**बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स:** यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

## अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेष: विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

# सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता
शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

**ऊर्जा के प्रकार:** ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

**नवीकरणीय:** नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

**अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत:** अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

**क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण:** ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। ऊर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

**छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव:** ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

**ऑफ रखें उपकरण:** जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

**इससे बिजली होगी कम खर्च:** ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

## निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

**पुस्तक:** काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

## शगुन@क्यूआर कोड

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या! *

हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन द्वारा संभव है
कैंसर का इलाज बिना किमो-बिना रेडिएशन

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा के साथ
कैंसर को दें मात
सबसे सुरक्षित व प्रभावी इलाज

देवी अहिल्या कैंसर अस्पताल इंदौर

NO CHEMO THERAPY
- स्पष्ट प्रभाव परिणाम
- कम खर्चिला
- उच्चतम सफलता दर
- कैंसर की अंतिम स्टेज पर भी प्रभावशाली उपाय

NO RADIO THERAPY
- दर्द रहित इलाज
- कोई दुष्प्रभाव नहीं
- सफल इलाज के रिकार्डस
- अच्छे अनुभवी डॉक्टर

www.dahrc.in

HELPLINE 9584040131
कैंसर की जंग में हम आपके साथ हैं ...

1, आनंद नगर, चितावद, नेमावर रोड, नवलखा, इंदौर
फोन-0731-4084422 | 9685029784

पर्यटन स्थल
वीना गौतम

# प्राकृतिक सौंदर्य-आनंद का अरण्य
# नंदन कानन वन

**कई पुराणों, रचनाओं में वर्णित नंदन वन आज भी अपने नैसर्गिक सौंदर्य के साथ उपस्थित है। यहां पहुंचकर आनंद और प्रकृति के सान्निध्य की अनोखी अनुभूति होती है। नंदन वन के सौंदर्य और महत्ता को पुनः हासिल करना चाहते हैं, तो हमें नंदन वन को संरक्षण देना होगा। इस वन की विशेषताओं और महत्ता के बारे में जानिए।**

नंदन वन-यह शब्द सुनते ही मन में एक दिव्य, हरा-भरा और संगीतपूर्ण वातावरण का चित्र उभरता है। वास्तव में यह केवल एक भौगोलिक स्थल भर नहीं बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है। जिस तरह अपने देश में स्थित दंडकारण्य को युगों पहले तप और त्याग की भूमि माना जाता रहा था और नैमिषारण्य को ज्ञान की स्थली माना जाता था। उसी तरह नंदन वन आनंद, सौंदर्य और प्राकृतिक सामंजस्य की भूमि के तौर पर जाना जाता है।

## प्राचीन-पौराणिक उल्लेख

इस वन का उल्लेख वेद, महाभारत, रामायण, भागवत पुराण और विष्णु पुराण में स्वर्गलोक के बागीचे के रूप में मिलता है। लेकिन इसकी पृथ्वीलोक में भी अपनी भौतिक उपस्थिति थी, जहां पुण्य आत्माएं अपने कर्मों के मुताबिक विश्राम करती थीं। अगर हम पौराणिक दृष्टि से देखें तो महर्षि नारद और इंद्र के संवादों में बार-बार नंदन वन का उल्लेख मिलता है। कुल मिलाकर प्रतीकात्मक अर्थ में नंदन वन, मनुष्य के भीतर सौंदर्य, आनंद और आत्मिक शांति का प्रतीक माना जाता रहा है, जो हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा आनंद और सौंदर्य बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि भीतरी मन और प्राकृतिक संतुलन में ही संभव है।

## अब हो गया नंदन कानन वन

यहां जिस नंदन वन की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उल्लेख कर रहे हैं, वह अब नंदन कानन वन के नाम से जाना जाता है, जो मौजूदा ओडिशा राज्य में एक आधुनिक अभ्यारण्य के रूप में मौजूद है। यह नंदन कानन वन, जैविक उद्यान या जियोलॉजिकल पार्क के रूप में भी जाना जाता है, यह प्राचीन और पौराणिक नंदन वन का आधुनिक रूप है। यह उद्यान भुवनेश्वर से करीब 15 किलोमीटर दूर जूनागढ़ वन क्षेत्र में स्थित है, जिसका नामकरण 29 दिसंबर 1960 को 'नंदन कानन' के रूप में हुआ था।

## रहते हैं कई प्रजातियों के जंतु

आज की तारीख में नंदन कानन महज जैविक उद्यान भर नहीं है बल्कि भारत के प्रमुख चिड़ियाघरों में से एक है। 437 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस जैविक उद्यान में 157 प्रजातियों के तकरीबन 3517 से अधिक जानवर रहते हैं। इनमें सफेद बाघ, शेर, हाथी, मगरमच्छ और विभिन्न प्रजातियों के पक्षी शामिल हैं। यह उद्यान केवल वन्यजीवों का संरक्षण नहीं करता बल्कि पर्यावरणीय शिक्षा और जैव विविधता के महत्व को भी बढ़ावा देता है। यहां की व्हाइट टाइगर सफारी, लायन सफारी और बटरफ्लाई पार्क पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं।

## पर्यावरणीय-सांस्कृतिक महत्ता

नंदन कानन जैविक उद्यान का आज की तारीख में पौराणिक से ज्यादा पर्यावरणीय महत्व है। यह स्थान न केवल वन्यजीवों का घर है बल्कि जैव विविधता, पर्यावरणीय शिक्षा और प्राकृतिक सौंदर्य का भी केंद्र है। यहां स्थित कंजिया झील और आस-पास के जंगल क्षेत्र वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं और देश के दूर-दूर से आए पर्यटकों को प्रकृति के समीप आने का एहसास कराते हैं। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से नंदन वन भारतीय लोककला, संगीत और साहित्य की प्रेरणा का भी स्रोत है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और शांति ने अनेक रचनाकारों को अपनी रचनाएं लिखने के लिए प्रेरित किया है। नंदन वन प्रकृति के संतुलन और सौंदर्य का संरक्षण करता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति आनंद का स्रोत है। यह इसके उपभोग का जरिया नहीं है। जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु संतुलन और वृक्षारोपण की भावना इसी नंदन वन की संस्कृति का हिस्सा है।

## कई रचनाओं में है उल्लेख

चाहे वेदों, पुराणों में वर्णित नंदन वन हो या आज भारत के कई क्षेत्रों में स्थित अलग-अलग नंदन वन, सभी का उद्देश्य पृथ्वी के सौंदर्य और प्राकृतिक संपन्नता से है। इनका वर्णन कई रचनाकारों ने किया है। किसी कवि ने लिखा है- *वृक्ष वंदन हों, नदियां गान करें/ और मन में निर्मल आनंद बहे/ तो समझो हम नंदन वन में हैं।* कुछ इसी प्रकार प्रसिद्ध कवि जयदेव के 'गीत गोविंद' में नंदन वन का रूपक मिलता है। इसी तरह अनेक लोकगीतों में नंदन वन का आनंद जैसी पंक्तियां आती हैं। इसलिए यह केवल एक स्थान नहीं बल्कि मन और आत्मा को दिव्य अनुभव देता है। इसलिए आज यह हमारी जिम्मेदारी है कि नंदन वन के महत्व को समझें, उसके संरक्षण का प्रयास करें। *

### देश में और भी हैं नंदन वन

**जहां तक** हम पुराणों में उल्लिखित नंदन वन की कल्पना करते हैं, तो वह अकेला नंदन कानन वन क्षेत्र ही नहीं है। बल्कि देश के कई अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद कुछ वनों को भी प्राचीन काल से नंदन वन ही कहा जाता रहा है। एक नंदन वन का रिश्ता छत्तीसगढ़ के नंदन वन जैव उद्यान से है, जो कि वहां की राजधानी रायपुर में स्थित है। छत्तीसगढ़ का यह नंदन वन 202 हेक्टेयर में फैला है और यहां भी बाघ, शेर, भालू, हाथी, मोर, मगरमच्छ जैसी जीव प्रजातियों का घर है। इस आधुनिक नंदन वन का उद्देश्य जैव विविधता को संरक्षण देना और पर्यावरण के साथ-साथ ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही देश के एक और पहाड़ी क्षेत्र में ऐसा ही नंदन वन स्थित है। यह उत्तराखंड में स्थित है और यह भी हिमालयी क्षेत्र का प्राकृतिक उद्यान है। इसके परिक्षेत्र में आने वाले कई क्षेत्र जैसे कौसानी, रानीखेत, औली आदि में लोग इसे नंदन वन ही पुकारते हैं। यहां की सुंदरता, देवदारों की सुगंध और हिमालय का वैभव, इस वन क्षेत्र को एक दिव्यता प्रदान करता है।

---

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली ऊपर से नकारात्मकता, असुरक्षा, डर का माहौल। ऐसे में चिंता, तनाव या भ्रम की स्थिति होना स्वाभाविक है। इस स्थिति को कैसे हैंडल करें कि आप हैप्पी-कूल रह सकें? आपके लिए उपयोगी सलाह।

# चिंता-तनाव को करें दूर रहें हमेशा टेंशन-फ्री

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

वर्तमान समय में हर किसी की जिंदगी में कशमकश, तनाव और चिड़चिड़ापन व्याप्त है। हिंसा, चोरी, ठगी, अन्याय या प्रतिशोध जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। जिस तरह आज के दौर में नकारात्मकता, हिंसा और वैचारिक प्रदूषण नजर आ रहा है, ऐसा पहले नहीं था। ऐसे में व्याकुलता, झुंझलाहट या भ्रम की स्थिति उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। यह सच है कि दूसरों के विचारों, उनके क्रियाकलापों पर आपका नियंत्रण नहीं है, लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातें अपना कर आप स्वयं को शांत, खुश और संयत रख सकते हैं।

**किसी अजनबी की तारीफ करें:** न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि किसी अजनबी द्वारा की गई साधारण सी तारीफ भी न केवल किसी का दिन बना सकती है बल्कि उस व्यक्ति के आत्मविश्वास में भी इजाफा कर सकती है। आप ऐसा करेंगे तो न सिर्फ अजनबी को बल्कि आपको भी खुशी मिलेगी। आप लोगों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो वहां उपस्थित दूसरे लोग भी यकीनन आपके साथ सकारात्मक व्यवहार करेंगे। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की एक्सपर्ट डॉक्टर डेबोरा ब्लम ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि अजनबियों के साथ दोस्ताना व्यवहार से आप बेहतर महसूस करते हैं।

**कम गहरे रिश्तों को दें महत्व:** हमें अपने सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों का दायरा कुछ बेहद खास, गिने-चुने लोगों तक ही संकुचित नहीं रखना चाहिए। नए दोस्तों को अपने जीवन में शामिल करना फायदेमंद होता है। ये नए रिश्ते न केवल हंसी-खुशी में योगदान करते हैं बल्कि कई तरह की मानसिक जरूरतों को भी पूरा करते हैं। कम गहरे रिश्ते में एक-दूसरे से बड़ी-बड़ी उम्मीदें, ईर्ष्या और कुंठा की संभावनाएं भी कम होती हैं। इससे मन कम आहत होता है।

**विचारों का विश्लेषण करें:** विचारों का हमारे तन-मन पर गहरा असर पड़ता है। जब बहुत सारे विचार उलझ गए हों और आप परेशान रहने लगे हों तो विचारों का एनालिसिस शुरू करें। हर दिन की समाप्ति पर अपने विचारों को तीन भागों में बांट लें। प्रेरक, सामान्य और नकारात्मक। नकारात्मक विचारों को दूसरे नजरिए से देखें-सोचें। इसे ऐसे सोचें, 'यह सब मेरे नियंत्रण में नहीं। लेकिन मैं सावधान रहूंगा और गलत चीजों से दूर रहूंगा।'

**खुद को शक्तिशाली समझें:** अकसर लोग आस-पास के कोलाहल, अव्यवस्था आदि से घबरा जाते हैं या भयभीत हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि हमें स्वयं को सक्षम, समझदार और शक्तिशाली समझना चाहिए। इससे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं और दुनिया की वास्तविकताओं का हम सामना कर पाते हैं। इससे हम भ्रम, भय और संशय से मुक्त रहेंगे।

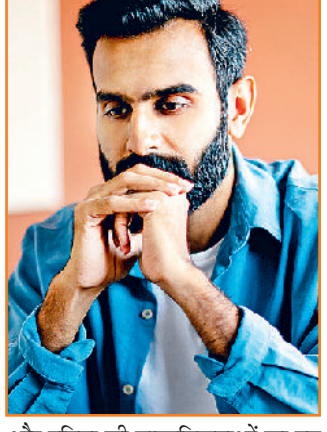

**रोज कुछ अच्छा देखने का प्रयास करें:** आपको अच्छी चीजें खोजने, उन्हें देखने और महसूस करने की आदत डालनी चाहिए। 'एंज्वॉइंग एवरीडे ब्यूटी' पुस्तक में इस संदर्भ में बहुत अच्छी बात कही गई है- यदि आप आस-पास की छोटी चीजों में सौंदर्य खोजने लगें तो यह आपके जीवन को सकारात्मकता और आनंद से भर सकता है।

**सूचनाओं का एक्सपोजर कम करें:** बहुत सारी सूचनाएं देखकर, पढ़-सुनकर भी हमारा मन नकारात्मक और अशांत हो जाता है। हमें अपने मतलब और काम भर की सूचनाओं पर ही फोकस करना चाहिए। यहां बताई गई इन बातों का ध्यान रखकर आप चिंता और तनाव से मुक्त रह सकते हैं। *

---

विंटर एसेसरीज
विवेक कुमार

# ये ट्रेंडी-स्टाइलिश ग्लव्स देंगे हॉट फील-कूल लुक

सर्दी के मौसम में ठंड से बचने के लिए गर्म ड्रेसेस, एसेसरीज तो सभी कैरी करते हैं। लेकिन यंगस्टर्स उसमें भी ऐसी चीजों को प्रेफर करते हैं, जो उन्हें स्टाइलिश लुक भी दे। इसीलिए विंटर ग्लव्स अब सिर्फ यंगस्टर्स के हाथों को गर्म रखने वाली एसेसरीज नहीं हैं बल्कि ये विंटर सीजन के लिए उनके स्टाइल स्टेटमेंट बन चुके हैं। बाजार में उपलब्ध ग्लव्स के नए-नए डिजाइन, टेक फ्रेंडली फैब्रिक और स्पोर्टी अर्बन लुक भी इनकी बढ़ती पॉपुलैरिटी का कारण है।

**फैशनेबल दिखाएं:** इन दिनों बाजार में अनेक तरह के ग्लव्स मिल रहे हैं, जो विशेष तौर पर फैशन पसंद युवाओं के लिए सर्दी का खास पहनावा बन गए हैं। विंटर ग्लव्स की बढ़ती डिमांड के कारण आजकल बाजार में विंटर ग्लव्स की बहार आई हुई है। डबल लेयर्ड, वाटर रेसिस्टेंट और विंड प्रूफ मैटेरियल से बनने वाले विंटर ग्लव्स इन दिनों युवाओं के एसेसरीज नंबर-वन बने हुए हैं।

**हाथों को देते हैं गर्माइश:** सर्दी के मौसम में हथेलियों में ठंड लगने की वजह से कोई भी काम करने में असुविधा होती है। हाथों को सर्दी से बचाने के लिए नरम ऊन, फ्लीस या न्यूट्रिन से बने ग्लव्स न केवल हाथों की गर्मी को अंदर ही कैद रखते हैं बल्कि यह बाहरी ठंड को भी अंदर नहीं घुसने देते। कहने का मतलब, ये ग्लव्स सर्दियों में हाथों को भरपूर गर्माइश देते हैं।

शहरी युवाओं के बीच ये ग्लव्स फैशनेबल एसेसरीज के रूप में जाने जाते हैं।

**टच स्क्रीन ग्लव्स:** आज के दौर में मोबाइल या लैपटॉप हमारे कामकाजी जीवन के साथ-साथ डेली लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बाजार में अब ऐसे ग्लव्स भी मिल रहे हैं, जिनको पहनकर आप अपने मोबाइल, टैब और लैपटॉप को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ये टच स्क्रीन फ्रेंडली ग्लव्स, युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। इन ग्लव्स में अंगूठे और तर्जनी पर विशेष किस्म के कंडक्टिव फाइबर की वजह से इन्हें पहनकर मोबाइल, स्मार्ट वाच या टैबलेट को आसानी से चलाया जा सकता है। कॉलेज गोइंग स्टुडेंट्स, कैब ड्राइवर, डिलिवरी ब्वॉय और आईटी सेक्टर में काम करने वाले युवाओं के लिए यह पहली पसंद है।

**बाइक राइडर के लिए:** सर्दियों में बाइक चलाते समय ठंडी हवा के तेज झोंके हाथों को सुन्न कर देते हैं, जिसके कारण हैंडल को नियंत्रित करने में मुश्किल आती है। इसलिए पाम गार्ड ग्लव्स, लेदर ऑल सीजन ग्लव्स और ग्रिप एनहैंस ग्लव्स की भी सर्दियों में जबर्दस्त मांग होती है। इस बार बाजार में रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप्स, एंटी स्लीप टेक्सचर और थर्मल पैडिंग वाले ग्लव्स बाइक चलाने वाले युवाओ की जबरदस्त पसंद बने हुए हैं। *

---

राज कपूर का जिक्र किए बिना हिंदी सिनेमा की बात अधूरी ही रहेगी। केवल अभिनय में ही नहीं, फिल्म निर्माण और निर्देशन में भी उनका अंदाज सबसे निराला था। उनकी कई फिल्मों को क्लासिक का दर्जा हासिल है। राज कपूर की जयंती (14 दिसंबर) पर हिंदी फिल्मों में उनके योगदान पर एक नजर।

# अनोखे फिल्मकार-लाजवाब अभिनेता थे हिंदी फिल्मों के पहले शोमैन राज कपूर

यादें / मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों के ज्यादातर दर्शक थिएटर इस उद्देश्य से जाते हैं कि वे रुपहले पर्दे के सामने बैठकर कुछ देर के लिए बाहर की दुनिया को भूलकर सिनेमा के संपूर्ण मनोरंजन में डूब जाएं। दर्शकों की इस सोच और कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती हैं राजकपूर की फिल्में।

## 'शोमैन' से कहीं आगे

राजकपूर को हिंदी सिनेमा का पहला 'शोमैन' कहा जाता है, लेकिन उनकी शख्सियत इससे भी कहीं बढ़कर थी। उन्होंने जितनी भी फिल्में बनाईं, सभी में दर्शकों को हर प्रकार से भरपूर मनोरंजन मिला। उन्होंने संदेशपरक फिल्में भी बनाईं, उनकी ऐसी फिल्मों की कहानी और उसका प्रस्तुतिकरण भी लाजवाब हुआ करता था। संगीत, गीत, लोकेशन हो, चाहे फिल्म में काम कर रहे अभिनेता-अभिनेत्री हों या फिर विलेन ही क्यों न हों, सभी को देखकर लगता ही नहीं कि हम कोई सिनेमा देख रहे हैं। नायक-नायिका से लेकर फिल्म के सभी पात्र, यहां तक कि फिल्म की कहानी भी आस-पास के ही होने का अहसास कराते थे। यह प्रभाव, यही जादू था राजकपूर की फिल्मों का।

## फिल्म मेकिंग की हर विधा में माहिर

राज कपूर फिल्म निर्माण के हर पक्ष में माहिर थे। बात अभिनय की हो, गीत-संगीत चुनने की, नायक-नायिका के ड्रेस सेलेक्शन की, लोकेशन डिसाइड करने की, कहानी समझने या निर्देशन कौशल की बात हो या फिर कैमरामैन के साथ बैठकर फिल्मांकन कराना, हर जगह उनकी एक स्पेशल छाप दिखती थी। उनकी यूनिट में शामिल क्लैप ब्वॉय से लेकर पर्दे के पीछे तक रहने वालों तक पर वह पैनी नजर रखते थे। आज भी एक्टर्स-डायरेक्टर्स उनके एक्टिंग और डायरेक्शन की बारीकियां देखते हैं, सीखते-समझते हैं, उनसे इंस्पायर होते हैं। आज भी जब-तब फिल्मों में राज कपूर का प्रभाव नजर आ जाता है।

फिल्म 'आवारा' में राज कपूर का अंदाज था निराला

'मेरा नाम जोकर' में राज कपूर ने किया शानदार अभिनय

## दी कई यादगार फिल्में

1935 से लेकर 1988 तक राजकपूर ने 70 फिल्मों में अभिनय किया। 17 फिल्मों का निर्माण और 10 फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों में से कुछ को छोड़कर राज कपूर की ज्यादातर फिल्मों की गिनती आज भी हिंदी सिने जगत की बेहतरीन फिल्मों में होती है। फिल्म 'मेरा नाम जोकर', शुरुआत में नकारी गई, लेकिन बाद में इस फिल्म ने तीन नेशनल अवार्ड जीतकर बता दिया कि जोकर ताश की गड्डी का सरताज होता है और किसी को भी मात दे सकता है। फिल्म का वह गीत 'अपने पे हंस के, जग को हंसाया, बन के तमाशा मेले में आया' आज जब हर कहीं दूसरे को रुलाने का दौर है, तब खुद पर हंसकर दूसरे को हंसाने वाले 'जोकर' की प्रासंगिकता समझ में आती है।

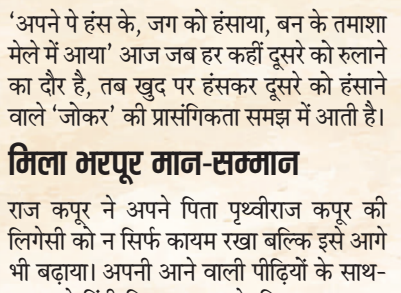


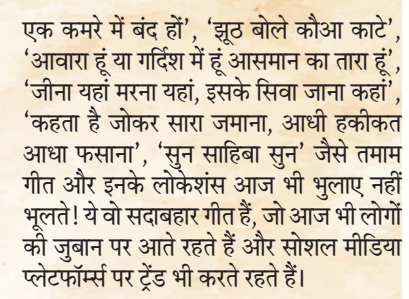


## मिला भरपूर मान-सम्मान

राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर की लिगेसी को न सिर्फ कायम रखा बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया। अपनी आने वाली पीढ़ियों के साथ-साथ पूरे हिंदी फिल्म जगत के लिए एक समृद्ध विरासत छोड़कर गए राज कपूर। एक तथ्य यह भी है कि कपूर फैमिली के तीन सदस्यों को दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर और शशि कपूर, दादा साहेब फाल्के से सम्मानित हो चुके हैं। राजकपूर को पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें तीन राष्ट्रीय पुरस्कार और ग्यारह फिल्मफेयर अवाड्र्स सहित कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए। उनकी फिल्मों के गाने आज भी शादी-विवाह एवं अन्य अवसरों पर गाए-बजाए जाते हैं। 'मेरा जूता है जापानी...फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' तो एक समय में पूरे देश में सुना जाता था और लोग उसे खूब गाते-गुनगुनाते थे।

## फिल्माए यादगार गीत-दृश्य

राज कपूर की फिल्मों के कई गीत और उनके दृश्य आज भी दर्शकों के मन पर अंकित हैं। घर में आटा गूंथती स्त्री के माथे पर आने वाली लटें, 'हम तुम एक कमरे में बंद हों', 'झूठ बोले कौआ काटे', 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं आसमान का तारा हूं', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'सुन साहिबा सुन' जैसे तमाम गीत और इनके लोकेशंस आज भी भुलाए नहीं भूलते! ये वो सदाबहार गीत हैं, जो आज भी लोगों की जुबान पर आते रहते हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड भी करते रहते हैं।

## अंदाज था निराला

राज कपूर के फिल्मांकन में निरालापन हर कहीं देखा जा सकता है। उनकी फिल्मों में हास्य की बात करें तो वहां फूहड़ता नहीं, एक किस्म की निश्छलता और भोलापन दिखता है। पर्दे पर उनकी निश्छल हंसी सभी का मन मोह लेती और हंसाती, गुदगुदाती थी। कई बार हंसाते-हंसाते रुलाती भी थी। इस मामले में राज कपूर की तुलना अकसर चार्ली चैपलिन से की जाती है।

तमाम आलोचनाओं के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली', 'श्री चार सौ बीस', 'आवारा', 'जागते रहो', 'बरसात', 'आग' जैसी फिल्में और इनके कुछ दृश्य 'क्लासिक' हैं। सामाजिकता को अपनी फिल्मों का विषय बनाकर उसे मनोरंजन के साथ पेश करना और रोमांटिक सींस में भी पवित्र प्रेम को दिखाना सिर्फ राज कपूर के द्वारा ही संभव था। *